भारत की राष्ट्रपति,

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

असम में कई परियोजनाओं की आधार शला रखने और राष्ट्र को सम र्पत करने के अवसर पर सम्बोधन

गुवाहाटी, **14** अक्टूबर, **2022**

राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद पहली बार आप सब के बीच यहां असम में आकर मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है।

असम के भाई-बहनो के स्नेह और उत्साहपूर्ण स्वागत के लए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं।

आज इस कार्यक्रम में आने से पहले मुझे मां कामाख्या देवी के मंदिर में जाकर उनके दर्शन करने का सौभाग्य मला। मैं मां कामाख्या देवी से असम के भाई-बहनो सहित सभी देशवा सयों की प्रगति और समृ द्ध की कामना करती हूं।

असम के वकास से जुड़ी केंद्र और राज्य सरकार की व भन्न परियोजनाओं का शलान्यास और लोकार्पण करके मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है। इन परियोजनाओं का शुभारम्भ श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के इस सुन्दर सभागार में होना भी एक सुखद संयोग है। मैं श्रीमंत शंकरदेव जी की स्मृति को भावपूर्ण नमन करती हूं। उनकी शक्षाएं और आदर्श आज भी असम सहित पूरे देश के लए प्रेरणादायी है।

आज शुरू की जा रही परियोजनाएं स्वास्थ्य, शक्षा, रेलवे, सड़क निर्माण, पेट्रो लयम तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़ी हैं। मैं इन सभी **projects** की सफलता की कामना करती हूं। मुझे पूरा वश्वास है क इन योजनाओं के सफल कार्यान्वन से असम सहित पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में हमारे भाई-बहनों के

जीवन में सु वधाएं बढ़ेंगी , व्यापार व रोजगार के नए अवसर मलेंगे , परिवहन की सु वधाएं बढ़ेंगी तथा अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

दे वयो और सज्जनो,

बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर कसी भी राज्य के वकास का आधार होता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित असम, भारत के **'Act East Policy'** का केंद्र बिंदु है। मुझे यह जानकर ख़ुशी हुई है क केन्द्र सरकार इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और कनेक्टि वटी पर वशेष ध्यान दे रही है। असम का वकास पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लए वकास का इंजन हो सकता है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 'भारतमाला परियोजना' के तहत देश भर में माल-ढुलाई और लोगों की आवाजाही को और अ धक सुगम बनाने के लए लगभग **35,000** कलोमीटर सड़क **infrastructure** को ज्यादा प्रभावी और मजबूत करने की महत्वाकांक्षी योजना है। इसमें असम तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र का हिस्सा **5,000** कलोमीटर का है। इसे मलाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग **10,000** कलोमीटर सडकों का निर्माण या **up-gradation** कये जाने का लक्ष्य है। आज मुझे कई सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शलान्यास करने का अवसर मला है। सड़क परियोजनाओं की सफलता और प्रगति के लए मैं केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री , श्री नितिन गडकरी जी तथा उनकी पूरी टीम को बधाई देती हूं।

असम और पूर्वोत्तर का यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है। मुझे बताया गया है क असम भारत के कुल **crude oil production** में **13** प्रतिशत का योगदान देता है। इसी तरह भारत के **total natural gas production** का **15** प्रतिशत पूर्वोत्तर क्षेत्र से ही आता है। आज मुझे **Indian Oil Corporation Limited** द्वारा स्था पत मोइनारबंद, सलचर में बने आधुनिक डपो का उद्घाटन करके वशेष प्रसन्नता हुई है। मुझे बताया गया है क इस डपो के द्वारा सम्पूर्ण बराक घाटी के साथ-साथ त्रिपुरा ,

म णपुर और मजोरम की पेट्रो लयम उत्पादों की आवश्यकताओं को भी पूरा करने में मदद मलेगी। पूर्वोत्तर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने वाली इस महत्वपूर्ण परियोजना के सफल कार्यान्वन के लए , मैं श्री रामेश्वर तेली जी तथा उनकी पूरी टीम की सराहना करती हूं।

दे वयो और सज्जनो,

केंद्र सरकार का असम सहित सभी पूर्वोत्तर राज्यों में रेलवे **connectivity** पर वशेष ध्यान है। इसी यात्रा को आगे बढ़ाते हुए आज मुझे गुवाहाटी से **Nagaland** के शकोवी और मेघालय के मेन्दीपाथार तक ट्रेन को **flag off** करके वशेष प्रसन्नता हुई है। कल मुझे त्रिपुरा में अगरतला को गुवाहाटी और कोलकाता तक तथा म णपुर के खोंगसांग तक जोड़ने के लए नए रेल रुट्स की शुरुआत करने का अवसर मला। आज आज़ाथुरी पर एक **modern cargo cum coaching terminal** का शलान्यास भी कया गया है। मुझे पूरी उम्मीद है क इन **projects** से व्यापार और आवागमन की सु वधा के साथ-साथ इस क्षेत्र में टूरिज्म की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। मैं इन सभी **projects** की सफलता व कार्यान्वन के लए केंद्रीय रेल मंत्री , श्री अश्विनी वैष्णव जी तथा भारतीय रेलवे की पूरी टीम को शुभकामनाएं देती हूं।

दे वयो और सज्जनो,

असम के चाय के बागान और यहां के चाय की महक पूरी दुनिया में प्र सद्ध है। मुझे बताया गया है क देश के कुल चाय उत्पादन में **50** प्रतिशत से भी अ धक योगदान केवल असम के चाय बागानों का होता है। आज सुबह, चाय बागानों में काम करने वाले कुछ भाई-बहनों से मलकर मुझे काफी प्रसन्नता हुई। चाय-बागान में काम करने वाले हमारे भाई-बहनो को बेहतर शक्षा प्रदान करने के लए **100 Model Secondary Schools** का शलान्यास करके मुझे वशेष प्रसन्नता हुई है। मेरा मानना है क **grassroot** लेवल पर

शक्षा को मजबूत बनाकर ही हम कुशल भावी पीढ़ियों का निर्माण कर सकते हैं।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और उनका सर्वांगीण वकास ही एक सभ्य समाज की निशानी है। असम में महिलाओं और बच्चों के लए व भन्न सेवाओं को और मजबूत बनाने के लए आज शुरू कए गए **3000** मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र एक सराहनीय पहल है।

असम के समग्र वकास के लए लागू की जा रही व भन्न परियोजनाओं के लए मैं मुख्यमंत्री डॉक्टर हिमंत बिस्वा सरमा जी तथा उनकी पूरी टीम को बधाई देती हूं।

अंत में, एक बार फर मैं आपके स्नेह और स्वागत के लए असम के भाई-बहनो का धन्यवाद करती हूं। मैं असम की प्रगति और आप सब निवा सयों के उज्ज्वल भ वष्य की कामना करती हूं।

धन्यवाद!

जय हिंद!

जय भारत!